एक कहानी अतीत और वर्तमान की जुबानी

आदिवासी किसान के सफलता की और उठे कदम

म. प्र. का छिन्दवाड़ा जिला आदिवासी समाज के रहन सहन के लिए अपनी पहचान बनाए हुए है। विशेषकर तामिया विकास खण्ड जो कि 90 प्रतिशत आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र है। सतपुड़ा श्रृंखला के बीच बसा तामिया विकास खण्ड अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए प्रसि्द है यहां कि विषम भौगोलिक परिस्थितियां आदिवासी परिवारों के लिए सदैव एक चुनौती के रूप में सामने रही है।

राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) ने वर्ष 2009–10 मे क्षेत्र के विकास हेतु प्रयास प्रारंभ किया जिसके फलस्वरूप वर्तमान मे तीन टी.डी.एफ. परियोजनाओं के माध्यम से 4200 परिवारों के साथ जीवंत संबंध स्थापित हो चुका है तामिया तहसील के बड़े क्षेत्र मे नाबार्ड द्वारा की जा रही गतिविधियां जहां तहां प्रदर्शित होती दिखाई दे रही है। जिसका असर क्षेत्र में चल रही शासन की अन्य योजनाओं पर साफ दिखाई पड़ता है। जो विकास की गति को तेज करने में सहायक सिध्द हो रहा है। कृषि और उद्यानिकी के क्षेत्र में अविश्वसनीय गति से प्रगति हो रही है।

वर्ष 2011–12 मे ग्राम चौपना के एक आदिवासी किसान रूपलाल सिरमा भलावी .जिनकी कृषि योग्य भूमि ढाई एकड़ है । इन्होंने टी.डी.एफ. तामिया E-I परियोजना से जुड़कर उन्नत खेती करने का निश्चय किया इसमें नागेश्वरा चैरिटेबल ट्रस्ट के कार्यकर्ताओं ने मदद की जिसके फलस्वरूप वर्ष 2011–12 मे सब्जी उत्पादन हेतु माण्डव विधि से कम क्षेत्र मे अधिक उत्पादन करने का कार्य प्रारंभ किया गया इसी वर्ष मक्का की उन्नत खेती के लिए संस्था के कृषि वैज्ञानिक श्री सुनील कोंडे जी के मार्गदर्शन में कार्य किया जिसके फलस्वरूप 3 गुना वृध्दि होकर 20 क्विंटल प्रति एकड़ प्राप्त की गई।

संस्था के कृषि वैज्ञानिकों ने सब्जी उत्पादन में भी उन्नत पध्दतियों एंव उपचार आदि पूर्ण जानकारी दी जिसके फलस्वरूप आज यह किसान मासिक 5000.00 रूपये की सुनिश्चित आय ले रहे है। जो किसान गरीब परिस्थितियों में अपना जीवनयापन कर रहा था आज वह अपने परिवार का भरण पोषण करने मे सक्षम हुआ है यह उल्लेखनीय कार्य देखते हुए दिनांक 24/02/15 को संस्था के

रूपलाल भलावी

कृषि ज्ञान केन्द्र नागपुर के उदघाटन अवसर पर माननीय श्री हर्षकुमार भनवाला चेयरमेन (नाबार्ड) के द्वारा सम्मानित किया गया। यह एक उत्कृष्ट क्षण रहा जो अविस्मरणीय है। जिससे किसानों में उर्जा का संचार होता है किसान रूपलाल भलावी ने तदोपरान्त और अच्छे कार्य करते हुए कृषि एंव उद्यानिकी मे अपनी बाड़ी को सर्वश्रेष्ठ बनाने की लक्ष्य रखा विगत वर्ष इन्होंने अपनी वाड़ी से उत्पादन लिया जिसमें आम 4.50 क्विंटल जाम 1 क्विंटल नीबू 1500 नग जिसकी कुल कीमत 20800 रूपये हुई। इसी प्रकार विगत वर्ष इन्होने रबी एंव खरीब की फसलों मे मक्का, धान, सोयाबीन, चना,प्याज,गेहूं आदि की फसलों से लगभग 2 लाख रूपये (1.91 लाख रू.) की आमदनी प्राप्त की अतः आज यह किसान वार्षिक 2.25 लाख रूपये की आमदनी प्राप्त कर क्षेत्र के लिए प्रेरणा का स्त्रोत बन चुका है

उपरोक्त सफलता की कहानी जो निरन्तर जारी है इसकी आवाज जिला प्रशासन तक पहुंची जिसके फलस्वरूप उद्यानिकी विभाग एंव जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित कृषि मेला 14/08/15 को जिला कलेक्टर श्री महेशचन्द चौधरी IAS द्वारा तामिया के इस किसान को विशेष रूप से सम्मानित किया गया सम्मान स्वरूप प्रशस्ति–पत्र एंव स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया इस अवसर पर छिन्दवाड़ा जिले के विधायकगण उपस्थित थे।

यह सम्मान नागेश्वरा चैरीटेबल ट्रस्ट द्वारा कियान्वित समस्त जनजाति विकास कार्यक्रम (टी. डी.एफ.) जो कि राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक द्वारा प्रयोजित है, इसकी सफलता की और एक कदम के रूप में दिखाई पड़ा है।